वर्ष 15 अंक 291 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 24 अक्टूबर 2021

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगरछाया

आप की आवाज़.....

मौसम परिवर्तन के समय पशुओं की रखें विशेष देखभाल : डॉ पी के उपाध्याय

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी.के. उपाध्याय ने बताया कि इस समय मौसम परिवर्तित हो रहा है। इस समय पशुपालक भाई अपने पशुओं की विशेष देखभाल करें। उन्होंने बताया कि सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। लेकिन दिन में तापमान बढ़ जाता है। और रात में तापमान में गिरावट आ जाती है जिससे दुधारू पशुओं के दूध उत्पादन में असर पड़ता है। ऐसी स्थिति में पशुपालक भाई पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें तथा पशु बाड़ा में सुबह-शाम जूट के बोरो का पर्दा बनाकर दरवाजे एवं खिड़कियों को ढक दें एवं सुबह होते ही पर्दों को लपेट दें। क्योंकि रात के समय मौसम में ठंडक होने के कारण पशुओं को सर्दी लगने से बचाव किया जा सकता है। साथ ही पशु बाड़े में रात के समय नीम की पत्तियों का हल्का धुआं कर दें। जिससे कि मच्छरों का प्रकोप न हो सके और पशुओं का मच्छरों से बचाव हो। पशु पालकों को एक बात विशेष ध्यान देना चाहिए कि अपने पशुओं को रात भर रखा हुआ पानी न पिलाए क्योंकि रात का पानी ठंडा होने के कारण पीने पर पशु धासने लगता है। साथी संभव हो सके तो अपने पशुओं को ताजा पानी पीने को दें तथा कम से कम 24 घंटे में 25 से 30 लीटर पानी पिलाएं इसके साथ ही पशुओं को सुबह शाम खुराईरा करें जिससे कि उनका दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। साथ ही साथ जो वाहे परजीवी जैसे जू एवं किलनी आदि जानवर के शरीर पर लग जाते हैं उनसे भी छुटकारा मिल जाएगा।उन्होंने बताया कि सर्दी से बचाव के लिए दुधारू पशुओं को लगभग 500 ग्राम गुड़ प्रतिदिन खिलाए। जिससे पशु को ऊर्जा प्राप्त होती है पशुओं का सर्दी से बचाव हो सकेगा।एक बात का पशुपालक विशेष ध्यान रखें कि सुबह ओस में पशुओं को चराने न जाएं। पशुपालक भाई पेट के कीड़ों की दवा पशु चिकित्सक की सलाह पर दें।

News Expert
14h ·

मौसम परिवर्तन के समय पशुओं की रखें विशेष देखभाल:-डॉ पी के उपाध्याय
कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी.के. उपाध्याय ने बताया कि इस समय मौसम परिवर्तित हो रहा है। इस समय पशुपालक भाई अपने पशुओं की विशेष देखभाल करें। उन्होंने बताया कि सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। लेकिन दिन में तापमान बढ़ जाता है। और रात में तापमान में गिरावट आ जाती है जिससे दुधारू पशुओं के दूध उत्पादन में असर पड़ता है। ऐसी स्थिति में पशुपालक भाई पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें तथा पशु बाड़ा में सुबह-शाम जूट के बोरो का पर्दा बनाकर दरवाजे एवं खिड़कियों को ढक दें एवं सुबह होते ही पर्दों को लपेट दें। क्योंकि रात के समय मौसम में ठंडक होने के कारण पशुओं को सर्दी लगने से बचाव किया जा सकता है। साथ ही पशु बाड़े में रात के समय नीम की पत्तियों का हल्का धुआं कर दें। जिससे कि मच्छरों का प्रकोप न हो सके और पशुओं का मच्छरों से बचाव हो। पशु पालकों को एक बात विशेष ध्यान देना चाहिए कि अपने पशुओं को रात भर रखा हुआ पानी न पिलाए क्योंकि रात का पानी ठंडा होने के कारण पीने पर पशु धासने लगता है। साथी संभव हो सके तो अपने पशुओं को ताजा पानी पीने को दें तथा कम से कम 24 घंटे में 25 से 30 लीटर पानी पिलाएं इसके साथ ही पशुओं को सुबह शाम खुराईरा करें जिससे कि उनका दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। साथ ही साथ जो वाहे परजीवी जैसे जू एवं किलनी आदि जानवर के शरीर पर लग जाते हैं उनसे भी छुटकारा मिल जाएगा।उन्होंने बताया कि सर्दी से बचाव के लिए दुधारू पशुओं को लगभग 500 ग्राम गुड़ प्रतिदिन खिलाए। जिससे पशु को ऊर्जा प्राप्त होती है पशुओं का सर्दी से बचाव हो सकेगा।एक बात का पशुपालक विशेष ध्यान रखें कि सुबह ओस में पशुओं को चराने न जाएं। पशुपालक भाई पेट के कीड़ों की दवा पशु चिकित्सक की सलाह पर दें।

मौसम परिवर्तन के साथ पशुपालक करें पशुओं की देखभाल

कानपुर नगर। मौसम परिवर्तन के साथ ही पशुपालकों को अपने पशुओं की विशेष देखभाल करनी चाहिए सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है जिसके चलते दिन में तापमान बढ़ता है और रात में तापमान में गिरावट आती है जिससे दुधारू पशुओं के दूध उत्पादन में प्रभाव पड़ता है। यह बात सीएसएयू के पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी.के. उपाध्याय ने बताते हुए कहा कि पशुपालकों को इस समय पशु बाड़े में सुबह-शाम जूट के बोरों का पर्दा बनाकर दरवाजे और खिड़कियों को ढक दे और सुबह होते ही परदो को लपेट देना चाहिए इससे पशुओं को सर्दी लगने से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पशुओं को मच्छरों से बचाने के लिए पशु बाड़े में रात के समय नीम की पत्तियों का हल्का धुंआ करना चाहिए। दुधारू पशुओं को लगभग 500 ग्राम गुड़ प्रतिदिन खिलाना चाहिए जिससे पशु को ऊर्जा प्राप्ति के साथ उसका सर्दी से भी बचाव हो सके।